जैनभजन प्रकाश

चतुर्थ भाग।

यह कीताब तेरापंथी आमनाय के
श्रावक जोरावरमल बयद मु०
रतनगढ़ वालेने बनाया वा
संग्रह करके छपाया वा
प्रकाशित किया।

मिलने का ठिकाना

(जोरावरमल बयद)

न० १४ मुंगापट्टी बड़ाबजार कलकत्ता

भैरूंदान जोरावरमल बयद

मु० रतनगढ़

६२ काटन ष्ट्रीट कृष्ण प्रेस में आर० के०
टिवडेवाला द्वारा मुद्रित हुआ।

सम्वत १८६७ मीती वैसाख कृष्ण

सर्वाधिकार रक्षित।